

खबर संक्षेप

जज, वन अफसर और स्कूली बच्चों ने निपनिया में रोपे फलदार-छायादार पौधे
शहडोल। पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शहडोल वन वृत्त में पौधरोपण का एक वृहद कार्यक्रम आयोजित किया गया। वन संरक्षक महेंद्र प्रताप सिंह (आईएफएस) के निर्देशन एवं कुशल मार्गदर्शन में वन परिक्षेत्र शहडोल की बीट निपनिया (कक्ष क्रमांक/आरएफ 746) में 40 हेक्टेयर रकबा क्षेत्र में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण किया गया। इस कार्यक्रम की खास बात यह रही कि न्यायपालिका के वरिष्ठ न्यायाधीशों, प्रशासनिक अधिकारियों और स्कूली बच्चों ने एक साथ मिलकर हाथों में कुदाल और पौधे थामे। हरियाली की इस मुहिम में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के.एन. सिंह मुख्य रूप से शामिल हुए। उनके साथ दक्षिण शहडोल की वनमंडलाधिकारी (डीएफओ) सुश्री श्रद्धा पेंद्रे (आईएफएस), विशेष न्यायाधीश श्रीमती दीपाली शर्मा, प्रथम अपर जिला न्यायाधीश कमलेश कुमार कोल, द्वितीय अपर जिला न्यायाधीश के.पी. सिंह, तृतीय अपर जिला न्यायाधीश विवेक शर्मा तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की श्रीमती श्वेता परते तिवारी ने पौधे रोपकर पर्यावरण बचाओ का संदेश दिया। इसके अलावा विधिक सेवा अधिकारी देवेन्द्र सिंह, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट राजेंद्र सिंह, सिंगार, प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट सीताशरण यादव, प्रीति सिंह बघेल, नूतन रावते, अरविंद मीणा तथा अमिसरिका माहुने ने भी उत्साहपूर्वक पौधारोपण में भाग लिया। निपनिया बीट के 40 हेक्टेयर क्षेत्र में पर्यावरण संतुलन और वन्यजीवों के अनुकूल माहौल तैयार करने के लिए विभिन्न किस्मों की प्रजातियां रोपी गईं। इनमें फलदार आंवला, जामुन, आम, कटहल और हरा, छायादार पीपल और बरगद, औषधीय, दुर्लभ एवं धार्मिक आस्था से जुड़े पौधे शामिल रहे। इस पौधरोपण कार्यक्रम में शासकीय माध्यमिक विद्यालय बगैहा (ग्राम निपनिया) के छात्र-छात्राओं ने भी बड़े उत्साह से भाग लिया। डीएफओ सुश्री श्रद्धा पेंद्रे ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए उन्हें रोपे गए पौधों के पर्यावरणीय, औषधीय और व्यावहारिक महत्व की जानकारी दी। उन्होंने बच्चों को पौधों की देखरेख और उन्हें पेड़ बनाने का संकल्प दिलाया। कार्यक्रम को सफल बनाने में उप वनमंडलाधिकारी सोहागपुर संतोष कुमार शुक्ला, वन परिक्षेत्राधिकारी शहडोल विनायक गौतम तथा शहडोल परिक्षेत्र का समस्त मैदानी स्टाफ मुस्तैद रहा। पूरे परिसर में दिनभर वृक्षारोपण को लेकर खासा उत्साह देखा गया।

विवेक पब्लिक हायर सेकेण्डरी स्कूल एवं सत्य साईं अंग्रेजी माध्यम स्कूल में रंगारंग कार्यक्रमों के साथ सम्पन्न हुआ स्वतंत्रता दिवस समारोह



शहडोल। विवेक पब्लिक हायर सेकेण्डरी स्कूल एवं सत्य साईं अंग्रेजी माध्यम स्कूल, शहडोल में 15 अगस्त 2026 को स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास, उत्साह एवं देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। समारोह में विद्यार्थियों ने विभिन्न रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से देशप्रेम, राष्ट्रीय एकता एवं भारतीय संस्कृति का सुंदर संदेश दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान के साथ हुआ। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीत, सामूहिक नृत्य एवं विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ प्रस्तुत कीं। नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने श्रीकृष्ण, राधा एवं भगवान शिव सहित विभिन्न सांस्कृतिक एवं पौराणिक पात्रों की आकर्षक वेशभूषा में प्रस्तुतियाँ देकर उपस्थित अतिथियों एवं अभिभावकों का मन मोह लिया। समारोह के दौरान पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधारोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। अतिथियों एवं विद्यालय परिवार ने पौधारोपण कर विद्यार्थियों को हरियाली, स्वच्छ पर्यावरण एवं प्रकृति संरक्षण के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से श्री दीपक गौतम, डॉ. देवेंद्र श्रीवास्तव, श्रीकांत शर्मा, कपिल मिश्रा, नितिन गुप्ता, शेखर धण्ड, अरुण शुक्ला, वी. के. गुप्ता, वरुण तिवारी, संगीता शुक्ला, अनुराधा गुप्ता एवं राकेश तिवारी सहित विद्यालय के अभिभावकगण उपस्थित रहे। अतिथियों ने विद्यार्थियों को शानदार प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए उनके उत्कल प्रवृत्ति को शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं की भी

कहीं 8 किलोमीटर का आक्रोश, कहीं कीचड़ में स्कूल: शहडोल में जेन अल्फा का दर्द सड़क पर कीचड़ में बचपन, सड़क पर बेटियां, शहडोल में जेन अल्फा ने व्यवस्था को दिखाया आईना

जेन अल्फा का सवाल: कब बदलेगी तस्वीर ? कहीं बेटियां दौड़ीं, कहीं बच्चे कीचड़ में चले

शहडोल। नई सदी की नई पीढ़ी यानी 'जेन अल्फा' अब केवल किताबों, मोबाइल और डिजिटल दुनिया तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि अपने अधिकारों और बुनियादी सुविधाओं को लेकर अपनी आवाज बुलंद करती दिखाई दे रही है। शहडोल में सामने आए दो अलग-अलग मामलों ने इस बदलते दौर की तस्वीर सामने रख दी है। कंचनपुर की छात्रावास की बेटियां भोजन और व्यवस्थाओं की शिकायत लेकर बारिश में 7-8 किलोमीटर पैदल कलेक्टर कार्यालय पहुंचीं, वहीं माटिया के डोंगरी टोला में बच्चे कीचड़ और पानी से जूझते हुए स्कूल जाने को मजबूर हैं। दोनों घटनाएं व्यवस्था से जवाब मांग रही हैं।

बारिश में बेटियों का फूटा आक्रोश
कंचनपुर स्थित माता शबरी कन्या छात्रावास की दर्जनी छात्राएं बुधवार को अपनी शिकायतों को लेकर छात्रावास से बाहर निकल गईं। रिमझिम बारिश के बीच छात्राएं करीब 7-8 किलोमीटर पैदल कलेक्टर कार्यालय की ओर बढ़ीं। कुछ छात्राएं जूते-चप्पल में थोी तो कुछ नंगे पैर दिखाई दीं। छात्राओं का आरोप था कि छात्रावास में गुणवत्तापूर्ण भोजन नहीं दिया जाता, गंदे चावल परोसे जाते हैं और सब्जों में कीड़े मिलने जैसी शिकायतें भी सामने आती रही हैं। साफ-सफाई और अन्य मूलभूत सुविधाओं को लेकर भी नाराजगी थी। छात्राओं का आक्रोश अधीक्षिका के कथित व्यवहार और व्यवस्था को लेकर भी सामने आया।

शिकायत लेकर सड़क पर दौड़ी छात्राएं

घटना की जानकारी मिलने पर आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त आनंद राय सिंह छात्रावास पहुंचे और छात्राओं को समझाने का प्रयास किया। लेकिन छात्राएं कलेक्टर से सीधे मिलने की मांग पर अड़ी रहीं। इसके बाद वे सड़क पर निकल



पड़ीं। छात्राएं कभी पैदल चलतीं तो कभी दौड़ती दिखाई दीं और उनके पीछे अधिकारी-कर्मचारी भी दौड़ते नजर आए। सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस को भी सूचना दी गई। करीब दो से तीन घंटे तक प्रशासनिक अमला छात्राओं को समझाने में जुटा रहा। आखिरकार छात्राएं कलेक्टर कार्यालय पहुंचीं और कलेक्टर पाथं जायसवाल के सामने अपनी समस्याएं रखीं।

कलेक्टर ने गठित की जांच समिति

छात्राओं की शिकायतों को कलेक्टर ने गंभीरता से सुना और तत्काल तीन सदस्यीय जांच टीम गठित करने के निर्देश दिए। प्रशासन की ओर से यह भी कहा गया कि जांच में यदि किसी स्तर पर लापरवाही अथवा अनियमितता सामने आती है तो संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। छात्राओं को शासन के विश्वरित मापदंडों के अनुसार भोजन, आवास और अन्य सुविधाएं उपलब्ध करने की बात

भी कही गई। हालांकि अब असली परीक्षा जांच की निष्पक्षता और उसके परिणाम की होगी। सवाल यह है कि यदि छात्राओं की शिकायतों में तथ्य सामने आते हैं तो जिम्मेदारी तय होगी या मामला केवल आशवासन तक सीमित रह जाएगा।

डोंगरी टोला में कीचड़ बना स्कूल

दूसरी तस्वीर ग्राम पंचायत माटिया के डोंगरी टोला से सामने आई है। यहां मुख्य सड़क से करीब एक किलोमीटर दूरी पर बसे टोले तक पहुंचने के लिए ग्रामीणों को खराब कच्चे रास्ते का सहारा लेना पड़ता है। बारिश होते ही यह रास्ता पानी और कीचड़ से भर जाता है। स्कूल जाने वाले छोटे बच्चों की परेशानी सबसे ज्यादा है। सामने आई तस्वीरों में बच्चे स्कूल बैग लेकर पानी और कीचड़ के बीच से गुजरते दिखाई दे रहे हैं। कई बच्चे जूते हाथ में लेकर चलते नजर आए। फिसलन, गड्ढों और पानी के कारण हर दिन दुर्घटना का खतरा बना रहता है।

नीलेश के सवाल ने खोली व्यवस्था

डोंगरी टोला के पांचवीं कक्षा के छात्र नीलेश का वीडियो इस समस्या को और मार्मिक बना रहा है। वीडियो में बच्चा रास्ते की बदहाली से परेशान होकर कहता है—स्कूल जाने का मन नहीं करता है, रास्ता इतना खराब है... जाते-जाते परेशान हो जाता हूँ। यह बयान महज एक बच्चे की शिकायत नहीं, बल्कि उस पीढ़ी की पीड़ा है जिसे शिक्षा के लिए रोज संघर्ष करना पड़ रहा है। ग्रामीणों के अनुसार सड़क निर्माण की मांग कई बार की गई। यहां तक कि विरोध स्वरूप युवाव बहिष्कार तक की बात सामने आई, लेकिन स्थायी समाधान नहीं हुआ। सवाल है कि क्यों बाद भी एक किलोमीटर रास्ता क्यों नहीं सुधरा?

सड़क विकास में भ्रष्टाचार का सवाल

डोंगरी टोला की स्थिति ने सड़क निर्माण और ग्रामीण विकास कार्यों की गुणवत्ता पर भी सवाल खड़े किए हैं। ग्रामीण यदि वर्षों से सड़क की मांग कर रहे हैं और बारिश में बच्चे कीचड़ से होकर स्कूल पहुंच रहे हैं तो यह केवल प्राकृतिक समस्या नहीं मानी जा सकती। यदि सड़क के लिए स्वीकृत राशि, निर्माण या रखरखाव में कहीं अनियमितता हुई है, तो उसकी जांच जरूरी है। सड़क निर्माण के नाम पर कानूनों में काम और जमीन पर बदहाली जैसी शिकायतें सामने आती हैं तो संबंधित एजेंसियों की जवाबदेही तय होगी चाहिए। हालांकि भ्रष्टाचार का आरोप जांच के बाद ही तथ्यात्मक रूप से साबित हो सकता है, लेकिन मौजूदा हालात इसकी स्वतंत्र जांच की मांग जरूर करते हैं।

छात्रावास में व्यवस्था पर गंभीर आरोप

माता शबरी छात्रावास की छात्राओं द्वारा लगाए गए आरोप भी साधारण शिकायत नहीं हैं। भोजन की गुणवत्ता, गंदे चावल, सब्जों में कथित रूप से कीड़े, साफ-सफाई और प्रबंधन से जुड़े सवाल सीधे छात्राओं के स्वास्थ्य और सुरक्षा से जुड़े हैं। यदि छात्रावास में शासन द्वारा भोजन और अन्य

सुविधाओं के लिए राशि उपलब्ध कराई जाती है, तो उसके उपयोग, खरीदी, बिल, सामग्री की गुणवत्ता और वितरण व्यवस्था की जांच होना जरूरी है। इसी तरह छात्राओं ने प्रबंधन को लेकर जो आरोप लगाए हैं, उनकी भी निष्पक्ष जांच आवश्यक है। भोजन और छात्रावास व्यवस्था में किसी प्रकार की वित्तीय अनियमितता मिलती है तो जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई की जानी चाहिए।

दो बड़े स्कूलों का एक प्रगारी क्यों?

सामने का एक और महत्वपूर्ण पहलू संस्थागत प्रबंधन से जुड़ा है। सामने आई जानकारी के अनुसार कंचनपुर स्थित माता शबरी से जुड़े विद्यालय और बुढ़ार के कप्तान स्कूल जैसे दो बड़े संस्थानों का प्रभार एक ही शिक्षक को दिए जाने को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। यदि एक ही व्यक्ति को दो बड़े विद्यालयों की जिम्मेदारी केवल प्रशासनिक सुविधा या कथित 'मेनेजमेंट' के आधार पर दी गई है, तो इससे दोनों संस्थानों की निगरानी और प्रबंधन प्रभावित होने की आशंका रहती है। सवाल यह है कि क्या पर्याप्त मानव संसाधन उपलब्ध होने के बावजूद ऐसा प्रभार दिया गया? इसके पीछे प्रशासनिक आवश्यकता थी या कोई अन्य कारण—इसकी भी जांच जरूरी है। बच्चों की आवाज अब जवाब मांगती है दोनों घटनाएं अलग-अलग हैं, लेकिन इनके केन्द्र में बच्चे हैं और दोनों जगह व्यवस्था की जमीनी तस्वीर सामने आई है। एक तरफ छात्रावास की बेटियों को अपनी शिकायत लेकर कई किलोमीटर पैदल प्रशासन तक पहुंचना पड़ा, दूसरी तरफ छोटे बच्चे स्कूल पहुंचने के लिए कीचड़ से लड़ रहे हैं। ऐसे में 'जेन अल्फा' केवल एक पीढ़ी का नाम नहीं, बल्कि सवाल पूछती नई सोच का प्रतीक बनकर सामने आ रही है। प्रशासन ने एक मामले में जांच समिति गठित कर दी है, जबकि दूसरे मामले में सड़क निर्माण की मांग लंबे समय से लंबित बताई जा रही है। अब जरूरत आश्वासन नहीं, जांच, जिम्मेदारी और स्थायी समाधान की है।

शिक्षकों और लिपिकों के लिए सुशाखबरी

3 सितंबर को डीपीसी की बड़ी बैठक समयमान और क्रमोन्नति पर लगेगा मुहर

शहडोल। संभाग के अंतर्गत कार्यरत एवं सेवानिवृत्त शिक्षकों और लिपिक वर्गीय कर्मचारियों के लिए राहत भरी खबर है। वर्षों से समयमान, वेतनमान और क्रमोन्नति की आस लगाए बैठे पात्र लोकसेवकों के प्रकरणों को हरी झंडी देने के लिए विभागीय पदोन्नति समिति की महत्वपूर्ण बैठक आगामी 3 सितंबर 2026 को बुलाई गई है। यह उच्चस्तरीय बैठक दोपहर 12 बजे से संयुक्त संचालक, लोक शिक्षण शहडोल संभाग के कार्यालय सभागार में आयोजित होगी, जिसकी अध्यक्षता स्वयं संयुक्त संचालक करेंगे। संभागीय कार्यालय से मिली आधिकारिक जानकारी के अनुसार, इस बैठक में शहडोल,

उमरिया और अनूपपुर तीनों जिलों के ऐसे कार्यरत व सेवानिवृत्त कर्मचारियों के मामलों की समीक्षा की जाएगी, जिन्होंने 30 जून 2026 की स्थिति में अपनी निर्धारित सेवा अवधि पूरी कर ली है और नियमानुसार पात्रता की शर्तों को पूरा करते हैं। समिति द्वारा मुख्य रूप से व्याख्याता संवर्ग, उच्च माध्यमिक एवं माध्यमिक शिक्षक (मूलपद) संवर्ग), लिपिकीय संवर्ग पात्र कर्मचारियों के सेवा अभिलेखों का परीक्षण कर अंतिम निर्णय लिया जाएगा। उनके सेवाकाल के अनुसार प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ समयमान/क्रमोन्नति वेतनमान का वित्तीय लाभ प्रदान करने संबंधी प्रस्तावों को अंतिम स्वीकृति दी जाएगी। राज्य शासन द्वारा कर्मचारियों को

सेवाकाल में आर्थिक प्रगति और वित्तीय प्रोत्साहन देने की मंशा से समयमान-क्रमोन्नति का प्रावधान किया गया है। संभागीय समिति की इस पहल से सैकड़ों वर्तमान व सेवानिवृत्त कर्मचारियों के वेतन एवं पेंशन में बढ़ोतरी का रास्ता साफ होगा। संयुक्त संचालक कार्यालय ने शहडोल संभाग के तीनों जिलों के संबंधित विभागीय अधिकारियों को सख्त निर्देश जारी किए हैं कि बैठक से जुड़े सभी आवश्यक अभिलेख, गोपनीय चरित्रावली और प्रकरण निर्धारित प्रक्रिया के तहत समय रहते प्रस्तुत करें। साथ ही, इस सूचना का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने को कहा गया है ताकि कोई भी पात्र लोकसेवक इस लाभ से वंचित न रह जाए।

चोरी करने वाले महिला समेत दो शातिर गिरफ्तार

सोने-चांदी के जेवर व नकदी बरामद

शहडोल। जिले की जयसिंहनगर पुलिस ने चोरी की एक गंभीर वारदात का पर्दाफाश करते हुए महिला समेत दो शातिर आरोपियों को दबोच लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किए गए सोने-चांदी के जेवरात, नकदी और अनाज सहित कुल 40 हजार रुपये का माल मशरूका बरामद किया है। यह पूरी सफलता पुलिस अधीक्षक डॉ. सत्य कुमार अग्रवाल के निर्देशन में जिलेभर में चलाए जा रहे संपत्ति संबंधी अपराध नियंत्रण अभियान के तहत मिली है।

सूने मकान का ताला तोड़कर उड़ाया था माल

मामले का खुलासा करते हुए थाना प्रभारी



निरीक्षक अजय कुमार ने बताया कि गत 30 मई को वार्ड क्रमांक 11 जयसिंहनगर निवासी फरियादिया राधा तिवारी ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। फरियादिया जब अपने किसी काम से बाहर गई हुई थीं, तभी अज्ञात चोरों ने सूने मकान का फायदा उठाकर अंदर का दरवाजा तोड़ दिया। घर लौटने पर सामान अस्त-व्यस्त मिला और तिजोरी से सोने-चांदी

के गहने, नकदी तथा अनाज गायब था। पुलिस ने तत्काल अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर तत्पत्ती शुरू की।

संदेह के आधार पर दबोचे गए आरोपी

विवेचना के दौरान पुलिस टीम ने मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया और संदेहियों पर कड़ी नजर

बफर जोन की हरियाली में उमड़े 2 हजार से ज्यादा सैलानी

उमरिया। मानसून की रिमझिम फुहारों के बीच बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व का नैसर्गिक सौंदर्य अपने शबाब पर है। जहां एक ओर घने हरे-भरे जंगल, कल-कल बहते जलस्रोत और झरनों की खूबसूरती पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर रही है, वहीं दूसरी ओर बफर जोन में बाघों की सक्रियता ने सफारी के रोमांच को दोगुना कर दिया है। 1 जुलाई से कोर क्षेत्र भले ही बंद हो, लेकिन बफर जोन में 47 दिनों के भीतर 2,000 से अधिक देशी-विदेशी पर्यटकों ने जंगल सफारी का लुटफ उठाया है। इस मानसून पर्यटन सीजन में बांधवगढ़ को 5.50 लाख से

अधिक का सीधा राजस्व प्राप्त हुआ है। इसके साथ ही जिप्सी चालकों, गाइडों और स्थानीय होटल कारोबारियों की आजीविका को भी जबरदस्त पंख लगे हैं। मानसून काल में धूम्रधर और पनपथा बफर क्षेत्रों में पर्यटकों की वन्यजीवों के खूब दीवार हो रहे हैं। धूम्रधर बफर क्षेत्र इन दिनों सबसे बड़ा हॉटस्पॉट बना हुआ है, जहां बाघिन अपने नन्हे शवकों के साथ बेफिक

विवरण करती नजर आ रही है। इसके अलावा तेंदुप, झंडियन गौर (भारतीय बाघसैन), हाथियों का झुंड, चीतल, सांभर, बार्किंग डियर और नीलगाय की आवाजों की सफारी को यादगार बना रही है। स्वतंत्रता दिवस और हरियाली तीज के अवसर पर तो पर्यटकों की भारी भीड़ उमड़ी। अकेले 15 अगस्त को 29 हजारों में 161 सैलानियों ने बफर का रुख किया, जिससे 40 हजार का राजस्व मिला। वहीं 16 अगस्त को भी 111

पर्यटकों ने 24 जिप्सियों के जरिए जंगल की नैसर्गिक सुंदरता को करीब से निहारा। बांधवगढ़ में इन दिनों बाघों की सल्लतन में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। प्रसिद्ध बाघ पुजारी (जिसे जंगल का जेंटलमैन कहा जाता था) के युग के अंत के बाद अब डी-1 बाघ ने खिलौने क्षेत्र पर अपना एकछत्र राज कायम कर लिया है। खिलौली रेंजर स्वस्ति श्री जैन के अनुसार, अपनी विशाल काय-काया और निडर मिजाज के कारण प्ट-1 अब खिलौली का नया राजा बन चुका है। प्रसिद्ध बाघिन डॉटी और प्रभावशाली नर बाघ

महामन का यह पुत्र अनुवर्षिक रूप से बेहद मजबूत और आक्रामक स्वभाव का है। लगभग 220 से 250 किलोग्राम वजन का डी-1 अपनी कद्दावर बनावट और प्रभावशाली चाल से फोटोग्राफरों और गाइडों की पहली पसंद बना हुआ है। इन्हें में डी-1 और पुजारी के बीच खिलौली व पनपथा-पचपेड़ी क्षेत्र की सीमाओं को लेकर भीषण खूनी संघर्ष हुआ था। इस जंग में गंभीर रूप से घायल होने के बाद पुजारी की मौत हो गई थी, जिसके बाद डी-1 ने खिलौली कोर सहित पनपथा और धूम्रधर के बड़े भू-भाग पर अपनी धक जमा ली।





निस्वार्थ क्लब कोतमा की नई कार्यकारिणी ने ली शपथ, 77 गतिविधियों के लिए मिला सम्मान

कोतमा। नेशनल एसोसिएशन ऑफ वी क्लस ऑफ इंडिया के तत्वावधान में निस्वार्थ क्लब कोतमा का शपथ ग्रहण समारोह मंगलवार 18 अगस्त को आयोजित किया गया। समारोह में एरिया ऑफिसर नीलम राय एवं एरिया सचिव कल्पना केसरवानी के सानिध्य में क्लब की नई कार्यकारिणी ने शपथ ग्रहण की। कार्यक्रम के दौरान पिछले सत्र में क्लब द्वारा किए गए सामाजिक एवं जनसेवा से जुड़े कार्यों की समीक्षा की गई। पूर्व सचिव डॉ. संगीता प्रजापति ने पिछले सत्र की गतिविधियों की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि क्लब द्वारा वर्षभर में कुल 77 गतिविधियां आयोजित की गई। इन उत्कृष्‍तनीय कार्यों के लिए क्लब को 11 पुरस्‍कारों से सम्‍मानित किए जाने की जानकारी भी दी गई। शपथ ग्रहण समारोह में नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसमें निशा गुप्‍ता को अध्यक्ष, निशा गहरवार को सचिव तथा मीनाक्षी नामदेव को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। नई कार्यकारिणी ने क्लब के उद्देश्यों के अनुरूप सामाजिक सेवा, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण एवं जगहित के कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। समारोह में क्लब की प्रथम अध्यक्ष वैशाली तामकार सहित किरण कोतमा, रीता गुप्‍ता, रमा सोनी, शिल्‍पा जैन, रचना जैन, छाया बरसेयां, वर्षा चट्‍वा, रजनी खटाल, रुचि चौहान, साविता गीता एवं अनु गहरवार सहित क्लब की अन्य सदस्‍य उपस्‍थित रहें। कार्यक्रम का मंच चालाना माफ्ती वेंचरपरफर्न डॉ. संगीता प्रजापति ने किया। इस अवसर पर मीडिया कर्मी भरत मिश्रा को उनके उत्कृष्‍तनीय कार्य के लिए श्रृंखला एवं पौधा गैट कर सम्मानित किया गया। समारोह के दौरान पर्यावरण संरक्षण को लेकर भी सदस्‍यों ने महत्वपूर्ण संकल्प लिया। सभी सदस्‍यों ने अधिक से अधिक पौधेरोपण करने तथा लगाए गए पौधों की तब तक नियमित देखभाल करने की बात कही, जब तक वे बड़े होकर मजबूत वृक्ष का रूप न ले लें। क्लब सदस्‍यों ने कहा कि सामाजिक सेवा के साथ पर्यावरण संरक्षण को भी प्राथमिकता देते हुए भविष्य में इस दिशा में निरंतर कार्य किया जाएगा।

25 अगस्त को सडक सुरक्षा समिति की वर्वुअल बैठक

उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय 25 अगस्त को दोपहर 1.30 बजे से जिला स्तरीय सडक सुरक्षा समिति की वर्वुअल बैठक लेंगी। बैठक में जिला सडक सुरक्षा समिति के सभी सदस्‍य, सचिव वर्वुअल रूप से जुड़ेंगे।

आज से प्रारंभ होगी संत रविदास समरसता

संकल्प यात्रा

उमरिया। गुरू संत शिरोमणि रविदास महाराज जी की 650वीं जन्म जयंती के अवसर पर गुरु मठ में श्री गुरू रविदास महाराज समरसता संकल्प यात्रा निकाली जाएगी। इस अवसर पर 20 अक्टूबर को जिला स्तरीय कार्यक्रम का शुभारंभ रानी दुर्गावती मवन उमरिया से कोलश यात्रा के साथ प्रातः 11 बजे होगा।

25 अगस्त को कोल ब्लॉक के प्रकरणों की अद्यतन स्थिति की समीक्षा बैठक

उमरिया। कोल ब्लॉक आवंटन के संबंध में वर्तमान स्थिति की समीक्षा तथा सभी कोल ब्लॉक कंपनी को परियोजना प्रस्तावकों द्वारा रोजगार हेतु बांघ ड्रेड ने पक्षे पर रोजगार की संभावना एवं नियुक्ति की समीक्षा बैठक आयुक्त शहडोल संगम श्रीमती सुरभि गुप्‍ता की अध्यक्षता में कलेक्टर संगमगर उमरिया में 25 अगस्त को सांय 4.30 बजे से आहूत की गई है। बैठक में सर्व संबंधितों से अद्यतन जानकारी के साथ अनिवार्यतः उपस्थिति के निर्देश दिए गए हैं।

21 अगस्त को युवा संगम रोजगार मेला

उमरिया। युवा संगम रोजगार मेले का आयोजन 21 अगस्त को सुबह 11 बजे से रानी दुर्गावती मवन उमरिया में आयोजित किया गया है। जिला उपायुक्त अधिकारी अमन दुबे ने बताया कि मेले में रावया फॉर्स प्राइवेट लिमि०, निपुन ग्ल्टी सर्विसेज हिरिंग, श्रीराम फायनेस , एसबीआई , प्रथम एजुकेशन जबलपुर, वर्धमान मंडी दीप भोपाल, एलआई सी उमरिया, टी एस पी एल ग्रुप पुणे, परफेक्ट सल्यूशन सर्विसेज अहमदाबाद, गैल ऑक्लैफ एग्रीकल्चर प्राइवेट लिमि० आर एस डब्ल्यू एम लिमि० भीलवाड़ा, एस आई एस प्रशिक्षण केंद्र अनूपपुर की कंपनी शामिल होगी ।

झोलाछाप डॉक्टरों का सिंडिकेट , बेबस मरीज भगवान भरोसे

मानपुर। जनपद मानपुर क्षेत्र के ग्रामीण अंचलों में स्वास्थ्य सेवाओं के नाम पर अवैध पैथोलॉजी लैब्स और झोलाछाप डॉक्टरों का संजाल मकड़ी के जाले की तरह फैल चुका है। रोज सैकड़ों असहाय और गरीब ग्रामीण मरीज इन कथित जांच केंद्रों के आर्थिक शोषण का शिकार बन रहे हैं। हेरानी की बात यह है कि इस गोरखधंधे में समाज के कई रसूखदार और नामचीन चेहरे भी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से शामिल हैं। यही वजह है कि जिला प्रशासन और स्वास्थ्य महकमा इन पर हाथ डालने से पूरी तरह कतरा रहा है। नतीजतन, ग्रामीणों की संहत और जिंदगी पूरी तरह कुदरत के रहमोकरम पर टिकी हुई है।

चिल्हारी में बैखौफ चल रहा फर्जीवाड़ा

एक ओर जहां मानपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खुद संसारधर्मी की कमी और बदहाली के आंसु रो रहा है, वहीं दूसरी ओर फर्जी डॉक्टरों और गैर-कानूनी जांच केंद्रों ने मरीजों की सांसें आफत में डाल रखी हैं। मानपुर जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम चिल्हारी का हाल तो यह है कि छोटी-छोटी झुगियां तक में बड़े-बड़े पैथोलॉजी, एक्स-रे और विशेषज्ञ डॉक्टरों के भ्रामक बोर्ड टंगे हुए हैं। ग्राम चिल्हारी में सेवा पैथोलॉजी नाम से विपुष्कांत यादव द्वारा एक जांच केंद्र का धड़ल्ले से संचालन किया जा रहा है। सूत्रों की मानें तो बिना आवश्यक कानूनी अर्हताओं



के, केवल तकनीशियनों के भरोसे यहां खून जांच से लेकर तमाम तरह की गंभीर रिपोर्ट तैयार की जा रही हैं। यह केंद्र स्वास्थ्य मानकों की धजियां उड़ाते हुए खुलेआम चल रहा है, लेकिन सब कुछ जानते हुए भी जिम्मेदार मौन साधे हुए हैं।

अनावश्यक जांचों से जेब पर डाका

स्थानीय स्तर पर सक्रिय यह सिंडिकेट मरीजों को मानसिक और आर्थिक रूप से कंगाल बनाने में जुटा है। गैर-अनुभवी या झोलाछाप डॉक्टर मामूली बीमारियों में भी मरीजों को जबरन लंबी-चौड़ी जांच कराने के लिए मजबूर कर देते हैं। सुप्रीम कोर्ट और इंडियन मेडिकल काउंसिल की सख्त गाइडलाईस के

शहडोल, उमरिया, अनूपपुर-आसपास

किराए की डिग्री पर फल-फूल रहा अवैध पैथोलॉजी

मानपुर में फर्जीवाड़े का धंधा

मुताबिक, किसी भी पैथोलॉजी लैब को संचालित करने के लिए एमडी पैथोलॉजिस्ट की मौजूदगी अनिवार्य है। सिर्फ एमबीबीएस के बाद पीजी डिग्री या डिप्लोमा धारक ही इस श्रेणी में आते हैं। लेकिन मानपुर क्षेत्र में बी-फार्मा या गायनेकोलॉजी की डिग्रियों के आधार पर लैब्स चलाई जा रही हैं। अंदर की खबर यह भी है कि कथित संचालकों द्वारा किसी दूरदराज के डॉक्टर की डिग्री भाड़े (किराए) पर लेकर एक ही नाम पर कई फर्जी दुकानें सजा ली गई हैं।

क्या कहते हैं कड़े नियम और

सरकारी प्रावधान

मध्य प्रदेश शासन के स्वास्थ्य नियमों के तहत



बिना वैध अर्हता और बिना मानकों के पैथोलॉजी संचालित करना सीधा-सीधा संगीन अपराध है। नियम उल्लंघन पर संचालक के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज कराने और सख्त धाराओं में जेल भेजने का कानूनी प्रावधान है। परंतु, कागजी दस्तावेजों और धरातल की हकीकत को देखें तो स्पष्ट होता है कि स्वास्थ्य विभाग ने इन अवैध संचालकों को अभयदान दे रखा है।

जिम्मेदारों का रटा-रटाया रवैया

ग्रामीण क्षेत्रों में फल-फूल रहे इस जानलेवा सिंडिकेट के संबंध में जब स्वास्थ्य विभाग का

एग्रीस्टेक पंजीयन, पैक्स सदस्‍यता एवं अग्रिम उर्वरक उठाव अभियान आज से प्रारंभ होगा

उमरिया। रबी वर्ष 2026-27 अंतर्गत 20 अगस्त 2026 से 15 सितम्बर तक प्रदेश में एग्रीस्टेक पंजीयन, पैक्स सदस्‍यता एवं अग्रिम उर्वरक उठाव अभियान का आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने अभियान के सफल संचालन के लिए कृषि, राजस्व, राजस्व, सहकारिता और पंचायत विभाग को आवश्यक निर्देश दिए हैं। इस अभियान के संचालन और व्यवस्‍थाओं हेतु सीईओ जिला पंचायत अमय सिंह को नोडल अधिकारी नियुक्‍त किया गया है। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने कहा कि अभियान मुख्‍य का मुख्‍य उद्देश्‍य फार्मर आईडी व बकेटिंग सुधार के साथ ऐसे किसानों जिनकी फार्मर आईडी नहीं बनी है उनकी फार्मर आईडी. बनाना तथा जिनके खाते छूटे हैं, उनकी पटवारी द्वारा गाम पंचायत स्‍तर पर सूची का वाक्‍य कर चुटियों में सुधार करना है। ई-विकास प्रणाली व ई-टोकन के मध्‍यम से किसानों को घर बैठे या पैक्स केंद्र से ई-टोकन जनेरेट करने की सुविधा दी जाएगी, जिससे खाद वितरण प्रणाली पारदर्शी व सुगम बनेगी।

सफाई मित्रों को तीन माह से नहीं मिला है वेतन ऐसे में कैसे सफल होगा स्वच्छ भारत मिशन?

राजनगर/डूमरकछार। म.प्र. और

अनूपपुर जिले के प्रवेश द्वार पर स्थित छत्तीसगढ़ राज्य की सीमा के समीप अनूपपुर जिले के नवगठित नगर परिषद डूमरकछार में दैनिक वेतन भोगी सफाई संरक्षकों को मई, जून और जुलाई माह का मानदेय/वेतन अब तक न मिलने से कर्मचारियों के सामने आर्थिक संकट की स्थिति निर्मित हो गयी है। निकाय के जिम्मेदार अधिकारियों एवं विभाग प्रमुखों की लापरवाही की वजह से लगातार और असामाजिक गतिविधियों पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। परिजनों का कहना है कि स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। मुख्य गेट टूट जाने और रात में परिसर में असामाजिक गतिविधियां होने से किसी बड़ी घटना की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। परिजनों ने विद्यालय के मुख्य गेट की मरम्मत कराने, परिसर की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने तथा रात में होने वाली असामाजिक गतिविधियों पर निगरानी बढ़ाने की मांग की है। साथ ही चोरी की घटनाओं में शामिल आरोपियों की पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की गई है।

मामले को लेकर खंड शिक्षा अधिकारी कोतमा आरके मिश्रा ने कहा कि विद्यालय का निरीक्षण किया जाएगा और मुख्य गेट की आवश्यक मरम्मत कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि विद्यालय परिसर में असामाजिक तत्वों की गतिविधियों को रोकने के लिए संबंधित विभाग से पत्राचार कर

कार्रवाई सुनिश्चित कराने का प्रयास किया जाएगा। विद्यालय परिसर में लगातार सामने आ रही चोरी और नशाखोरी की घटनाओं ने ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित शैक्षणिक संस्थानों की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। अब देkhना होगा कि प्रशासन और शिक्षा विभाग स्कूल परिसर को सुरक्षित बनाने के लिए कितनी गंभीरता से कदम उठाता है।

ई-दक्ष केन्द्र पर आई एक एम आई एस केयर्स

अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम आज

उमरिया। जिले में शासकीय वित्तीय कार्यों को अधिक सुगम एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से आई एफ एम आई एस केयर्स थीम अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम 20 अगस्त को जिला ई-दक्ष केन्द्र, जिला पंचायत उमरिया में आयोजित किया गया है। वरिष्ठ कोषालय अधिकारी अखिलेश पाठक ने बताया कि प्रशिक्षण में आई एफ एम आई एस में संचालित विभिन्न लाइव मॉड्यूल में समय-समय पर आने वाली तकनीकी समस्याओं के समाधान तथा संबंधित मॉड्यूल के लिए जारी एस ओ पी , एफ ए वयू के संबंध में आह्वण एवं सवितरण अधिकारियों एवं संबंधित कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा।

विकास के साथ ये छल करते रहें और विकास

कार्यों, जनहितैषी कार्यों में ये रोड़ा बनते रहे, जिसका परिणाम यह है कि विगत 1 वर्ष से निकाय के सभी जनहितैषी कार्य प्रभावित है, निकाय की आर्थिक व्यवस्था भी चरमरा गयी, जून और जुलाई माह का मानदेय/वेतन अब तक न मिलने से कर्मचारियों के सामने आर्थिक संकट की स्थिति निर्मित हो गयी है। निकाय के जिम्मेदार अधिकारियों एवं विभाग प्रमुखों की लापरवाही की वजह से लगातार और असामाजिक गतिविधियों पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। परिजनों का कहना है कि स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। मुख्य गेट टूट जाने और रात में परिसर में असामाजिक गतिविधियां होने से किसी बड़ी घटना की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। परिजनों ने विद्यालय के मुख्य गेट की मरम्मत कराने, परिसर की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने तथा रात में होने वाली असामाजिक गतिविधियों पर निगरानी बढ़ाने की मांग की है। साथ ही चोरी की घटनाओं में शामिल आरोपियों की पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की गई है।

मामले को लेकर खंड शिक्षा

अधिकारी कोतमा आरके मिश्रा ने कहा कि विद्यालय का निरीक्षण किया जाएगा और मुख्य गेट की आवश्यक मरम्मत कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि विद्यालय परिसर में असामाजिक तत्वों की गतिविधियों को रोकने के लिए संबंधित विभाग से पत्राचार कर

कार्रवाई सुनिश्चित कराने का प्रयास किया जाएगा। विद्यालय परिसर में लगातार सामने आ रही चोरी और नशाखोरी की घटनाओं ने ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित शैक्षणिक संस्थानों की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। अब देkhना होगा कि प्रशासन और शिक्षा विभाग स्कूल परिसर को सुरक्षित बनाने के लिए कितनी गंभीरता से कदम उठाता है।

सीआईएल

एग्जीक्यूटिव बर्ती, मेडिकल एग्जीक्यूटिव तथा मैनेजमेंट ट्रेनी (एमटी) से जुड़े नियमों में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। इसके साथ ही मैनेजमेंट ट्रेनी की छुट्टियों और छुट्टी के बदले नकद भुगतान यानी लीव एन्कैशमेंट को लेकर भी प्रावधान स्पष्ट किए हैं। नए नियम 14 अगस्त 2026 या उसके बाद जारी होने वाले भर्ती विज्ञापनों और अधिसूचनाओं पर लागू होंगे। वहीं, जून 2025 के विज्ञापन क्रमांक 01/2026 और विज्ञापन क्रमांक 03/2026 के माध्यम से भर्ती होने वाले अभ्यर्थी भी इन प्रावधानों के दायरे में रहेंगे।

सीआईएल एग्जीक्यूटिव लीव रूल्स, 2010 में संशोधन करते हुए मैनेजमेंट ट्रेनी की परिभाषा को स्पष्ट किया गया है। अब मेडिकल विषय को छोड़कर अन्य विषयों में ग्रेड पर नियुक्त मैनेजमेंट ट्रेनी को कंपनी के प्रवेश स्तर के प्रशिक्षण और शुरुआती पदोन्नति ढांचे के तहत नियुक्त नया एग्जीक्यूटिव माना जाएगा। नए प्रावधान के अनुसार 1 ग्रेड में नियुक्ति के शुरुआती छह महीनों के दौरान गैर-मेडिकल प्रेश रिक्रूट केवल केजुअल लीव के पात्र होंगे। हालांकि, मातृत्व अवकाश, पितृत्व अवकाश अथवा लागू कानून के तहत अनिवार्य अन्य छुट्टियां नियमानुसार दी जा सकेंगी। इसके बाद 2 में नियुक्ति से लेकर निर्धारित प्रशिक्षण एवं प्रोवेशन अवधि पूरी होने तक छुट्टियों का

एमआरएफ तक पहुंचाया पहुंचाया उन मजदूरों की मजदूरी का भी भुगतान विगत चार-पांच माह का अधिकारियों और कर्मचारियों की गैर जिम्मेदारी एवं गलती के कारण नहीं किया गया है, और वर्तमान समय में ट्रेक्टर से कचरा उठाकर एमआरएफ सेंटर भेजने की व्यवस्था भी बाधित है, निकाय के सीमित साधनों से यह कार्य किया जाता है परन्तु यह कार्य पूर्ण रूप से नहीं हो पा रहा है। सफाई संरक्षकों का कहना है कि नियमित रूप से कार्य करने के बावजूद तीन माह से मेहनताना नहीं मिलने के कारण दैनिक आवश्यकताओं, बच्चों की पढ़ाई, घरेलू खर्च और अन्य जरूरी भुगतान में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। कर्मचारियों ने लंबित वेतन का शीघ्र भुगतान किए जाने की मांग की है। नगर परिषद अध्यक्ष ने मामले को गंभीरता से लेते हुए नगरीय प्रशासन के संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों से कर्मचारियों के लंबित वेतन का शीघ्र भुगतान सुनिश्चित करने एवं निकाय की व्यवस्था को गड़बड़ी पहुंचाने वाले जिम्मेदार अधिकारियों एवं कर्मचारियों पर विभागीय कार्यवाही किए जाने की अपेक्षा जताई है, उनका कहना है कि सफाई संरक्षक नगर की स्वच्छता व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं, उन्हें समय पर वेतन नहीं मिलने से न केवल कर्मचारियों की आर्थिक स्थिति प्रभावित होती है, बल्कि इसका सीधा असर नगर की सफाई व्यवस्था पर भी पड़ता है। स्थानीय लोगों ने भी प्रशासन से मामले में

तत्काल हस्तक्षेप करते हुए सफाई कर्मियों के मई, जून और जुलाई माह के लंबित वेतन का भुगतान कराने की मांग की है, साथ ही प्रतिमाह नियमित रूप से इन्हें वेतन मिले इसकी मांग की है ताकि नगर की सफाई व्यवस्था सुचारु रूप से संचालित हो सके।

इनका कहना है

हम निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के बार-बार हस्तक्षेप के बाद भी नियमों के विपरीत समय-समय पर पदस्थ सीएमओ और लेखापाल के द्वारा भ्रष्टाचार को अंजाम देते आये है, जब हम सब ने अंकुश लगाने का प्रयास किया तो इनकी जनहितैषी कार्यों के प्रति कोई रूचि नहीं होती है, जिससे निकाय का विकास अवरुद्ध हो रहा है, सफाई मित्रों का वेतन प्रत्येक महीने नियमित रूप से हो जाना आवश्यक है।

जितेंद्र चौहान, सभापति नगरपरिषद डूमरकछार

सफाई मित्र लगातार अपने दायित्व का निर्वहन अच्छे से कर रहे हैं, स्वच्छ भारत मिशन को साकार करने के लिए यह जमीनी स्तर पर अच्छा कार्य कर रहे, कुछ अधिकारियों को यह बात याद रखनी है, द्वारा जानबुझकर इनका मनोबल तोड़ा जाता है ताकि निकाय क्षेत्र का विकास अवरुद्ध हो, इसी का परिणाम है कि इन सफाई मित्रों को हर महीने नियमित रूप से वेतन नहीं मिल पा रहा है।

रवि सिंह, सभापति नगरपरिषद डूमरकछार

प्रबंधन सीआईएल

एग्जीक्यूटिव लीव रूल्स, 2010 के क्लॉज 13 के अनुसार किया जाएगा।

कंपनी में एक वर्ष की सेवा पूरी करने और निर्धारित ट्रेनिंग एवं प्रोवेशन क्लोजर परीक्षा सफलतापूर्वक पास करने के बाद मैनेजमेंट ट्रेनी पर सामान्य सीआईएल एग्जीक्यूटिव लीव रूल्स लागू होंगे। यानी इस चरण के बाद कर्मचारी को एग्जीक्यूटिव के लिए निर्धारित सामान्य छुट्टी सुविधाएं मिलने लेंगीं। मैनेजमेंट ट्रेनी के लिए सबसे महत्वपूर्ण प्रावधानों में से एक छुट्टी के बदले नकद भुगतान से जुड़ा है। प्रशिक्षण अवधि के दौरान किसी भी प्रकार की छुट्टी के एन्कैशमेंट की सुविधा उपलब्ध नहीं होगी। यानी प्रशिक्षण अवधि में बची हुई छुट्टियों को नकद में बदलने का लाभ नहीं मिलेगा। मेडिकल एग्जीक्यूटिव की भर्ती से संबंधित क्लॉज 16.1 से 16.4 में ग्रेड आधारित नामकरण को संबंधित मेडिकल एग्जीक्यूटिव श्रेणी के अनुरूप पढ़ने का प्रावधान किया गया है। इसमें विशेषज्ञ और वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी सहित संबंधित

पदों के ग्रेड का समायोजन किया गया है। इसके अलावा अन्य प्रावधानों को यथावत रखा गया है। नॉन-एग्जीक्यूटिव से एग्जीक्यूटिव पद पर पदोन्नति पाने वाले कर्मचारियों के लिए भी नियम स्पष्ट किए गए हैं। पदोन्नति की तारीख को कर्मचारी के खाते में उपलब्ध छुट्टी को निर्धारित सीमा के अधीन एग्जीक्यूटिव पद पर आगे ले जाने का प्रावधान बरकरार रखा गया है। वहीं, एग्जीक्यूटिव पद संभालने की तारीख से नई छुट्टियां एग्जीक्यूटिव लीव रूल्स के अनुसार अर्जित होंगी। सीआईएल के आदेश में स्पष्ट किया गया है कि जिन प्रावधानों में विशेष रूप से बदलाव नहीं किया गया है, वे पहले की तरह लागू रहेंगे। मौजूदा वैधानिक, शैक्षणिक, व्यावसायिक, अनुभव, पंजीयन और चयन संबंधी पात्रताओं में भी कोई बदलाव नहीं किया गया है, जब तक कि आदेश में किसी विषय के संबंध में विशेष प्रावधान न किया गया हो। आदेश के अनुसार सीआईएल के कारपोरेट फंक्शनल डायरेक्टर्स को इन प्रावधानों की व्याख्या और प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक मामूली संशोधन करने का अधिकार दिया गया है। यह आदेश सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी के बाद जारी किया गया है। नए प्रावधानों से विशेष रूप से मैनेजमेंट ट्रेनी के प्रशिक्षण काल, छुट्टी और लीव एन्कैशमेंट की स्थिति को लेकर बनी असमंजस की स्थिति दूर होने की उम्मीद है।



खबर संक्षेप

वन विभाग ने 41 नग सागौन चिरान की जब्त कटनी। वन परिक्षेत्र डीमरखेड़ा के वन अमले ने ग्राम कछारगांव बड़ा में अवैध बढईगिरी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 41 नग सागौन चिरान जब्त किया है। कार्रवाई उपवनमंडलाधिकारी कटनी पश्चिम से प्राप्त तलाशी वारंट के आधार पर 17 अगस्त को की गई। वन अमले ने राकेश बढई के घर की तलाशी ली। इस दौरान घर में बिना वैध अनुमति के बढईगिरी और फनीचर निर्माण का कार्य संचालित पाया गया। तलाशी में 41 नग सागौन चिरान बरामद हुआ, जिसकी कुल मात्रा 0.232 घनमीटर बताई गई है। जब्त वनोपज से संबंधित कोई वैध दस्तावेज मौके पर नहीं मिला। इसके अलावा बढईगिरी में उपयोग किए जाने वाले औजार भी जब्त कर सूचीबद्ध किए गए। वन विभाग ने कटनी पंचायतमा तैयार कर वन अपराध प्रकरण दर्ज किया है। विभाग के अनुसार आरोपी की ओर से विभागीय राजीनामा भी प्रस्तुत किया गया है।

डेढ़ करोड़ की ठगी मामले में एक और पकड़ाया

कटनी। विधायक संजय सत्येंद्र पाठक से संबद्ध फर्म से हुई लगभग डेढ़ करोड़ रुपये की बहुचर्चित साइबर ठगी के मामले में पुलिस की विवेचना निरंतर आगे बढ़ रही है। साइबर अपराध और वित्तीय लेनदेन की कड़ियों को जोड़ते हुए रंगनाथनगर थाना पुलिस ने ग्वालियर से एक अन्य आरोपी नीराज यादव को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। जांच में यह तथ्य उजागर हुआ है कि ठगी की कुल रकम में से लगभग 10 लाख रुपये आरोपी नीराज यादव के बैंक खाते में स्थानांतरित किए गए थे। तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस टीम ने ग्वालियर में दबिश देकर आरोपी को हिरासत में लिया। हालांकि, प्राथमिक पूछताछ के दौरान आरोपी से उक्त राशि बरामद नहीं हो सकी।

युवक को सर्प ने काटा

कटनी। बड़वारा थाना अंतर्गत ग्राम बरगवां बंजर 2 में नागापंक्मी पर पूजा-अर्चना करने जा रहे 24 वर्षीय युवक गोविंद सिंह घुसे को जहरीले सांप ने डस लिया। जायकरी के अनुसार नागापंक्मी पर गोविंद गांव पूजा करने जा रहा था इसी दौरान रास्ते में झाड़ियों के पास छिपे एक सांप ने उनके पैर में काट लिया। पूजा के बाद वह जब घर लौटा तो शरीर में जलर फेरेने के कारण उनकी तबीयत बिगड़ने लगी और वह अकेले होके लगा। युवक की बिगड़ती हालत को देख परिजनों ने आन्न-फाइन में किजी वाहन से उन्हें बड़वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। आम-ड्यूटी डॉक्टरों ने तत्काल पीन-खेत के कम का इंजेक्शन देकर प्राथमिक उपचार शुरू किया।

पाली अस्पताल की स्वास्थ्य व्यवस्था पर बड़ा सवाल, युवा टीम उमरिया ने उठाई मांग

मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर उमरिया को सौंपा पत्र, अस्पताल में पर्याप्त डॉक्टर और मेडिकल स्टाफ की मांग

बिरसिंहपुर पाली। शासकीय अस्पताल बिरसिंहपुर पाली में चिकित्सकों एवं आवश्यक मेडिकल स्टाफ की कमी का मुद्दा अब शासन-प्रशासन के सामने मजबूती से उठाया गया है। युवा टीम उमरिया, मध्यप्रदेश के अध्यक्ष हिमांशु तिवारी ने जनहित में पहल करते हुए माननीय मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश शासन के नाम कलेक्टर उमरिया महोदया को पत्र सौंपकर पाली अस्पताल की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को तत्काल सुदृढ़ किए जाने की मांग की है।हिमांशु तिवारी द्वारा सौंपे गए पत्र में कहा गया कि बिरसिंहपुर पाली एवं आसपास के ग्रामीण तथा दूरस्थ क्षेत्रों के हजारों नागरिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के समय शासकीय अस्पताल पाली पर निर्भर रहते हैं। ऐसे में अस्पताल में पर्याप्त चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ एवं अन्य आवश्यक मेडिकल स्टाफ की उपलब्धता बेहद महत्वपूर्ण है। स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की कमी का सीधा असर आम मरीजों और उनके परिवारों पर पड़ता है।

पाली अस्पताल सिर्फ एक अस्पताल नहीं, हजारों लोगों की उम्मीद है

पाली नगर के साथ आसपास के अनेक गांवों के नागरिक उपचार के लिए इसी अस्पताल का रुख करते हैं। विशेषकर ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों के लिए नजदीकी शासकीय अस्पताल बेहद महत्वपूर्ण होता है। ऐसे में यहां पर्याप्त डॉक्टर एवं मेडिकल स्टाफ की व्यवस्था होना क्षेत्र की मूलभूत आवश्यकता है।उमरिया जिला ग्रामीण एवं जनजातीय बाहुल्य क्षेत्र है। पाली क्षेत्र भी बड़ी संख्या में गांवों से घिरा हुआ है। किसी मरीज को स्वास्थ्य संबंधी परेशानी होने पर समय पर डॉक्टर और उपचार उपलब्ध होना बेहद जरूरी है। इसलिए पाली अस्पताल की स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करना सीधे तौर पर जनहित और मानव सेवा से जुड़ा विषय है।

रिक्त पदों को शीघ्र भरने की मांग

युवा टीम उमरिया ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपे गए पत्र के माध्यम से मांग की है कि पाली अस्पताल में चिकित्सकों के रिक्त पदों को शीघ्र भरा जाए तथा आवश्यकतानुसार अतिरिक्त चिकित्सकों की व्यवस्था की जाए। इसके

वैश्य महासम्मेलन महिला इकाई बुढ़ार-धनपुरी के तत्वावधान में हरियाली तीज का भव्य आयोजन: सावन सुंदरी का खिताब धनपुरी की नीतू केसरवानी बुढ़ार से अंशु जैन ने हासिल किया



धनपुरी। वैश्य महासम्मेलन महिला इकाई तहसील बुढ़ार-धनपुरी के तत्वावधान में हरियाली तीज एवं सावन मिलन समारोह मंगलवार को आरती खंडेलवाल के निवास पर हर्षोल्लास, उमंग और पारंपरिक रंगों के बीच संपन्न हुआ। आयोजन में बुढ़ार एवं धनपुरी की महिलाओं ने

बड़ी संख्या में सहभागिता कर सावन मिलन को यादगार बना दिया। कार्यक्रम में महिलाओं ने पूजा-अर्चना के साथ मनोरंजक खेलों और प्रतियोगिताओं का आनंद लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. आशा जैन ने की, जबकि तहसील अध्यक्ष स्नेहलता गुप्ता के नेतृत्व में आयोजन

हुआ। भगवान शिव की पूजा-अर्चना एवं आरती के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इसके बाद पंच्युअलिटी एवं विभिन्न मनोरंजक गेम प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ, जिसमें महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

सावन सुंदरी प्रतियोगिता बनी आकर्षण का केंद्र

समारोह में आयोजित सावन सुंदरी प्रतियोगिता विशेष आकर्षण का केंद्र रही। मनोरंजक गेम के माध्यम से हुए चयन में बुढ़ार सेअंशु जैन नीतू केसरवानी धनपुरी दोनों विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।।

महिलाओं की रही उत्साहपूर्ण सहभागिता

कार्यक्रम में जिला कार्यकारी अध्यक्ष सुमन गुप्ता, जिला उपाध्यक्ष प्रतिमा जैन, बुढ़ार नगर अध्यक्ष लता सोनी, धनपुरी अध्यक्ष मोनिका अग्रवाल, पूर्व तहसील अध्यक्ष शशि ताम्रकार एवं शैला गुप्ता



सहित बुढ़ार और धनपुरी की बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं। पुरस्कार वितरण के पश्चात स्वल्पाहार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के समापन पर तहसील अध्यक्ष स्नेहलता गुप्ता ने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाली सभी महिलाओं के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि

हरियाली तीज जैसे पारंपरिक आयोजन महिलाओं को आपस में जोड़ने के साथ सामाजिक एकता, संस्कार और सांस्कृतिक परंपराओं को भी मजबूत करते हैं। उन्होंने भविष्य में वैश्य समाज के सभी आयोजनों में इसी प्रकार उत्साह और एकजुटता के साथ सहभागिता करने की अपील की।

हरा दफाई की गली में मौत का मुहाना! टूटे नाली ढक्कनों से हादसे का खतरा



धनपुरी। वार्ड क्रमांक 15 /17 के हरा दफाई की ओर जाने वाली सकरी गली में वर्षों से सफाई के अभाव में नाली बजबजा रही है। नाली के ऊपर रखे कंक्रीट के ढक्कन कई स्थानों पर टूट चुके हैं और सड़क के बीच बने गड्ढे दोपहिया वाहन चालकों के लिए गंभीर खतरा बन गए हैं। सकरी गली से दिनभर पैदल लोगों के साथ दोपहिया वाहनों का आवागमन होता है। टूटे ढक्कनों के कारण वाहन चालकों को बचकर निकलना पड़ता है। स्थानीय लोगों के अनुसार आए दिन छुटपुट दुर्घटनाएं हो रही हैं। रात के समय स्थिति और खतरनाक हो जाती है। यदि जल्द ही टूटे ढक्कनों को दुरुस्त नहीं किया गया तो किसी बड़ी दुर्घटना से इनकार नहीं किया जा सकता।

नाली में गंदगी, मच्छरों का प्रकोप

नाली की लंबे समय से सफाई नहीं होने के कारण गंद

और कचरा जमा है। पानी की निकासी प्रभावित होने से आसपास गंदगी और दुर्गंध का वातावरण बना हुआ है। रहवासियों का कहना है कि सफाई और मरम्मत जैसी बुनियादी जरूरतों पर भी ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

जनप्रतिनिधि पर भी उठ रहे सवाल

वार्डवासियों में इस बात को लेकर नाराजगी है कि समस्या लंबे समय से बनी हुई है, लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं हुआ। लोगों का आरोप है कि वार्ड की समस्याओं को लेकर संबंधित पार्षद की ओर से अपेक्षित सक्रियता नजर नहीं आ रही है। वार्डवासियों ने नगर पालिका प्रशासन से तत्काल नाली की सफाई, टूटे कंक्रीट ढक्कनों को बदलने और सड़क को समतल कराने की मांग की है। लोगों का कहना है कि हादसा होने का इंतजार करने के बजाय जिम्मेदारों को समय रहते कार्रवाई करनी चाहिए।

धनपुरी नपा के कथित भ्रष्टाचार पर हंसराज तनवर ने उठाए गंभीर सवाल

धनपुरी। शहडोल नगर पालिका में कथित भ्रंशशाही के मुद्दे पर जनप्रतिनिधियों के मुखर होने के बीच धनपुरी नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता हंसराज तनवर ने धनपुरी नपा में करोड़ों रुपये के कार्यों और टेंडर प्रक्रिया को लेकर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि जब शहडोल में अनियमितताओं की जांच की मांग उठ रही है, तो धनपुरी नगर पालिका में सामने आ रहे मामलों पर जनप्रतिनिधियों की चुप्पी क्यों है? तनवर ने आरोप लगाया कि करीब 170 टेंडरों की प्रक्रिया में कई टेंडर महीनों तक नहीं खोले गए और बाद में कुछ निविदाएं निरस्त कर पुनः टेंडर कराए गए। उन्होंने वार्ड क्रमांक 02 के



निर्माणाधीन वाटर पार्क, धनपुरी नंबर-3 शॉपिंग कॉम्प्लेक्स तथा भूमि-मुआवजा संबंधी मामलों की जांच की मांग की।उन्होंने कहा कि नगर पालिका के चार पार्षदों सहित नगर जनप्रतिनिधियों द्वारा भी समय-समय पर शिकायतें और आपत्तियां उठाई गई हैं। बावजूद इसके मामलों की निष्पक्ष जांच नहीं

होना गंभीर सवाल खड़े करता है। तनवर ने कहा कि नगर पालिका जनता के पैसे से चलने वाली संस्था है। प्रत्येक टेंडर, निर्माण और भुगतान में पारदर्शिता अनिवार्य है। उन्होंने मांग की कि धनपुरी नपा के टेंडर, निर्माण कार्य, भुगतान एवं संबंधित दस्तावेजों की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए, ताकि आरोपों की वास्तविकता सामने आ सके और दोषी पाए जाने वालों पर कार्रवाई हो।

पर्यावरण संरक्षण, पौधारोपण का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ► **स्लीमनाबाद**
मग्न जन अभियान परिषद द्वारा ग्राम अमोच में नवांकुर संस्था युवा जन सेवा समिति तेवरी एवं ग्राम विकास प्रफुटन समिति अमोच के संयुक्त तत्वावधान में नवांकुर सखी हरियाली यात्रा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नवांकुर सखियों एवं ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम में जिला समन्वयक डॉ. तेज सिंह केशवाल ने नवांकुर सखी हरियाली यात्रा के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण हम सभी की सामूहिक

जिम्मेदारी है। उन्होंने ग्रामीणों को अधिक से अधिक पौधारोपण करने तथा लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल एवं सुरक्षा के लिए प्रेरित किया।इस अवसर पर युवा जन सेवा समिति तेवरी द्वारा लगभग 100 नवांकुर सखियों को एक-एक पौधा एवं मुनगा के बीज वितरित किए गए। संस्था अध्यक्ष बसंत जायसवाल ने सभी नवांकुर सखियों को वितरित किए गए पौधों एवं मुनगा के बीजों को सुरक्षित स्थान पर रोपित कर उनकी नियमित देखभाल एवं संरक्षण का संकल्प दिलाया।ग्राम पंचायत सरपंच नरेश दहायत ने “एक पेड़ मां के नाम” अभियान की जानकारी देते

हुए पौधारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला। साथ ही उन्होंने साइबर सुरक्षा के प्रति ग्रामीणों को जागरूक किया। परामर्शदाता विनोद सिंह ने मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम की जानकारी देते हुए नवांकुर सखियों को पाठ्यक्रम से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी।कार्यक्रम के पश्चात नवांकुर सखियों ने सिर पर कलश एवं हाथों में पौधे लेकर ढोल-बाजे के साथ नवांकुर सखी हरियाली यात्रा निकाली। वहीं हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत ग्रामीणों की सहभागिता से तिरंगा यात्रा भी निकाली गई।

सक्षम शक्ति संगठन के स्थापना दिवस पर बाल मंदिर स्कूल में POC SO जागरूकता कार्यक्रम आयोजित , बच्चों के बीच केक काटकर मनाया स्थापना दिवस



बिरसिंहपुर पाली उमरिया समाजसेवा एवं बाल कल्याण के क्षेत्र में सक्रिय सक्षम शक्ति संगठन (NGO) ने अपने स्थापना दिवस के अवसर पर बाल मंदिर स्कूल, बिरसिंहपुर पाली , उमरिया में POC SO जागरूकता एवं गुड टच-बैड टच जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। महिला एवं बाल विकास विभाग के माध्यम सेआयोजित इस कार्यक्रम में बच्चों को व्यक्तिगत सुरक्षा एवं सुरक्षित-असुरक्षित स्पर्श के प्रति जागरूक किया गया।

कार्यक्रम के दौरान बच्चों के बीच केक काटकर संगठन का स्थापना दिवस भी हर्षोल्लास से मनाया गया तथा सभी बच्चों को उपहार स्वरूप कलर्स एवं स्टेशनरी सामग्री वितरित की गई। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग की प्रशिक्षक

श्रीमती वंदना रत्नम एवं विभाग के अन्य कार्यकर्ताओं का सहयोग रहा। इस अवसर पर महिला मंडल एवं विद्यालय की अध्यक्ष श्रीमती वंदिता त्रिपाठी, समिति सदस्य श्रीमती छाया बोहरा, प्राचार्य श्रीमती शैफाली ब्रोकर , शिक्षिकाएं श्रीमती कल्पना वर्मा, श्रीमती स्वाति सिंह, श्रीमती उमा राठौर एवं श्रीमती गुंजन द्विवेदी उपस्थित रहीं। संगठन की सदस्य श्रीमती शालिनी आनंद, श्रीमती सरिता शर्मा एवं श्रीमती भावना पवार ने भी सहभागिता की। एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

स्थापना दिवस पर संगठन की संस्थापिका एवं अध्यक्ष इंजी. माधवी सिंह ने बोते एक वर्ष का संक्षिप्त वार्षिक प्रतिवेदन एवं उपलब्धियां प्रस्तुत करते हुए बताया कि संगठन ने अपने सेवा संकल्प के अंतर्गत लगभग 20 प्रमुख सामाजिक एवं



जनजागरूकता कार्यक्रमआयोजित कर 10 से 15 हजार लोगों तक सीधी पहुंच बनाई। इनमें माँ बिरासिनी भंडारा, मकर संक्रांति तथा मूक-बधिर बच्चों के लिए विशेष वख एवं खाद्य सामग्री वितरण, कौशल विकास व पुनर्वास बंदियों (कैदियों) को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए निःशुल्क स्वरोजगार प्रशिक्षण शिविर और युवाओं व महिलाओं के लिए निःशुल्क रिकल डेवलपमेंट प्रोग्राम चलाए गए।पर्यावरण संतुलन के लिए अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण तथा असाहय व घायल गोवंश के लिए विशेष रेस्क्यू अभियान, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस एवं मदर्स डे के अवसर पर महिलाओं के अधिकारों, सम्मान व आत्मनिर्भरता पर केंद्रित विशेष सत्र ,राष्ट्रीय एकता दिवस , संविधान दिवस और विजय दिवस,वर्ल्ड मेडिटेशन डे और अंतर्राष्ट्रीय

योग दिवस,बाल दिवस, बसंत पंचमी, सरस्वती पूजा और वर्ल्ड एनजीओ डे पर भी विविध प्रेरणादायी जैसी प्रमुख गतिविधियां संपन्न हुईं। इन प्रयासों के माध्यम से संगठन ने सेवा, महिला सशक्तिकरण, बाल कल्याण, कौशल विकास, जीव रक्षा, पर्यावरण संरक्षण तथा स्वास्थ्य जीवनशैलीके क्षेत्र में निरंतर कार्य किया।अध्यक्ष इंजी. माधवी सिंह ने कहा कि संगठन का मूल ध्येय समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहायता पहुंचाना तथा महिलाओं, बच्चों और युवाओं को जागरूक एवं सशक्त बनाना है । उन्होंने संगठन की एक वर्ष की यात्रा में सहयोग देने वाले सभी पदाधिकारियों, सदस्यों, स्वयंसेवकों एवं समाजसेवियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में सेवा कार्यों को और व्यापक स्तर पर ले जाने का संकल्प दोहराया।

ईद मिलाद उन नबी, रक्षाबंधन, कजलिया, जन्माष्टमी एवं गणेश उत्सव का पर्व आपसी सद्भाव के साथ मनाने की अपील

उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय की अध्यक्षता में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में आगामी दिनों में मनाए जाने वाले त्योहार ईद मिलाद उन नबी, रक्षाबंधन, कजलिया, जन्माष्टमी तथा गणेश उत्सव के शांतिपूर्ण एवं भाईवारे के साथ मनावे हेतु शांति समिति के सदस्यों के साथ विस्तार से विचार विमर्श किया गया। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि विद्युत मंडल एवं नगर पालिका संयुक्त रूप से नगर का क्षण कर सुधारने योग्य ट्रान्सफार्मर, विद्युत लाईन का कार्य अविलंब प्रारंभ कर दें ताकि प्रकाश व्यवस्था निरंतर रूप से जारी रहें। ईद मिलाद उन नबी के 25 एवं 26 अगस्त के आयोजन में सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए गए। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था

के लिए पुलिस विभाग को निर्देशित किया गया। उन्होने कहा कि रक्षाबंधन का पर्व आपसी भाईचारे के साथ मनाया जाए । दूसरे दिन मनावे जाने वाले कजलिया पर्व पर कजलियों के विसर्जन स्थलों में साफ सफाई , प्रकाश व्यवस्था, घाट पर सुरक्षा हेतु पुलिस बल, गोताखोर आदि अन्य व्यवस्थाएं मुस्तेद रखने के निर्देश दिए गए। बैठक में बताया गया कि कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व 4 सितंबर को मनाया जाएगा। इस अवसर पर ताला बांधवगढ़ में बांधवाधीश के दर्शन हेतु बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण पहुंचेंगे। शेष सैर्या भगवान के दर्शन स्थल में श्रद्धालुओ की संख्या को देखते हुए वाहनों के आवागमन को व्यव्क्तम किया जाए । प्रमुख मार्गों से आवे वाली बसों के लिए लगभग एक किमी दूर स्थित खुले स्थान में पार्किंग व्यवस्था

तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का निर्धारण बांधवगढ़ टाईगर रिजर्व के सनन्ध्य से किया जाए। बांधवाधीश के दर्शन हेतु प्रातः 11.30 बजे तक प्रवेश दिया जाएगा। गोद मे बचने वाली महिलाओ, कुर्खों के लिए प्रवेश वर्जित रहेगा। मेडिकल टीम व्दारा स्क्रीनिंग की जाए। प्लास्टिक की बोतले, पैकेट्स पर पूर्णतः प्रतिबंध रहेगा । उन्होने मटकी फोड़ प्रतियोगिता का आयोजन कराने वाली समितियो से कहा कि मटकों फोड़ आयोजन के पूर्व शासन से अनुमति आवश्यक रूप से प्राप्त करें। कानून व्यवस्था की दृष्टि से पुलिस अधीक्षक, अनुविभागीय अधिकारी, तहसीलवार, नायब तहसीलदार समस्त अपने अपने क्षेत्र में शांति समिति की बैठक आयोजित कर शांति व्यवस्था बनाये रखेंगे।



खबर संक्षेप

जैतहरी में 10 दिनों से भटक रही अज्ञात महिला

अनूपपुर। जैतहरी नगर में पिछले करीब 10 दिनों से एक अज्ञात महिला भटकती हुई स्थिति में रह रही है। महिला स्वयं को पश्चिम बंगाल की निवासी बता रही है और बारिश के दौरान एक दुकान के बंद शटर के पास अपना सामान रखकर रात गुजारने को मजबूर है। स्थानीय नागरिकों द्वारा महिला की पहचान कर उसे सुरक्षित उसके घर तक पहुंचाने के लिए संबंधित अधिकारियों को लगातार सूचना दिए जाने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने से लोगों में नाराजगी और चिंता है। नागरिकों को आशंका है कि असाहाय स्थिति में रह रही महिला के साथ कभी भी कोई अप्रिय घटना हो सकती है। जानकारी के अनुसार जैतहरी नगर के वार्ड क्रमांक 5 में तात्या कंप्यूटर प्रतिष्ठान के समीप पिछले करीब दस दिनों से लगभग 40 से 45 वर्ष की एक महिला घूम रही है। महिला आसपास के दुकानदारों से खाने-पीने की सामग्री मांगती है और दिनभर इधर-उधर घूमने के बाद वापस उसी दुकान के बंद शटर के पास आकर ठहर जाती है। बारिश होने पर वह अपना कुछ सामान भी वहीं रख देती है। महिला की स्थिति को देखते हुए तात्या कंप्यूटर के संचालक अभिलाष अग्रवाल ने जिला कार्यक्रम अधिकारी, वन स्टॉप सेंटर, जैतहरी थाना प्रभारी सहित अन्य संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर महिला की पहचान कराने और उसे उसके निवास स्थान तक पहुंचाने का आग्रह किया। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई स्तरों पर सूचना देने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी एक-दूसरे के विभागीय दायित्वों का हवाला देते रहे और महिला की स्थिति जानने के लिए मौके पर पहुंचकर आवश्यक पूछताछ नहीं की गई। महिला के पश्चिम बंगाल से होने की संभावना को देखते हुए जागरूक नागरिकों ने एक बंगाली समुदाय के व्यक्ति की मदद से उससे बातचीत कराई। बातचीत के दौरान महिला ने अपना नाम सम्पा आचार्य तथा स्वयं को वर्धमान जिला, पश्चिम बंगाल का निवासी बताया। महिला ने अपने बारे में कुछ अन्य जानकारी भी बताई, लेकिन इसके बावजूद अब केंद्र पुलिस या प्रशासन की ओर से उसकी पहचान की पुष्टि करने तथा उसके परिजनों तक पहुंचने के लिए प्रभावी प्रयास नहीं किए जाने की बात सामने आई है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि महिला वास्तव में पश्चिम बंगाल की निवासी है तो पुलिस और महिला एवं बाल विकास विभाग बंगाली भाषा जानने वाले व्यक्ति अथवा संबंधित राज्य के पुलिस प्रशासन से संपर्क कर उसकी पहचान आसानी से सुनिश्चित कर सकते हैं। इसके बाद उसके परिजनों की जानकारी जुटाकर महिला को सुरक्षित उसके घर भेजने की व्यवस्था की जा सकती है।

उप सरपंच संघ अध्यक्ष ने थाना प्रभारी से की अमद्रता

कोतमा। कोतमा थाना प्रभारी रत्नाम्बर शुक्ला के साथ कोतमा जनपद उपसरपंच संघ के अध्यक्ष रोहित कुमार जायसवाल द्वारा कथित तौर पर अभद्रता किए जाने का एक ऑडियो मंगलवार को सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ। वायरल ऑडियो में आरटीआई के तहत मांगी गई जानकारी उपलब्ध नहीं कराने और फोन नहीं उठाने को लेकर दोनों के बीच बातचीत होती सुनाई दे रही है। बातचीत के दौरान उपसरपंच संघ अध्यक्ष कथित तौर पर गुस्से और तीखे लहजे में थाना प्रभारी से बात करते सुनाई दे रहे हैं। वायरल ऑडियो में रोहित जायसवाल द्वारा थाना प्रभारी से आरटीआई के तहत मांगी गई जानकारी का जवाब नहीं मिलने की बात कही जा रही है। बातचीत के दौरान फोन उठाने को लेकर भी दबाव बनाते हुए बातें कही गई हैं। हालांकि, वायरल ऑडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। थाना प्रभारी रत्नाम्बर शुक्ला ने बताया कि वर्ष 2025 में संबंधित व्यक्ति गोहंड़ा गांव निवासी एक फरियादी को लैंगन शिकायत दर्ज कराने थाना आया था। शिकायत संदिग्ध प्रतीत होने पर पुलिस ने फरियादी से अलग से पूछताछ की थी। पूछताछ और जांच के दौरान शिकायत फर्जी पाई गई थी। मामले की जांच भी कराई गई थी। थाना प्रभारी के अनुसार, संबंधित व्यक्ति ने बाद में सूचना के अधिकार के तहत घटना वाले दिन की सीसीटीवी फुटेज सहित अन्य जानकारी मांगी थी।

कोतमा क्षेत्र तक पहुंच गई बेनामी संपत्तियों के मामले की जांच बेनामी संपत्ति मामले में आयकर विभाग की बड़ी कार्रवाई, चार युवकों से घंटों पूछताछ

मोपाल से पहुंची आयकर विभाग की टीम

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर/कोतमा। खनिज कारोबारी मनीष गोयनका उर्फ नानू से कथित रूप से जुड़ी बेनामी संपत्तियों के मामले की जांच अब कोतमा क्षेत्र तक पहुंच गई है। बुधवार सुबह भोपाल से पहुंची आयकर विभाग की टीम ने कोतमा पुलिस के सहयोग से कोतमा, गोहंड़ा और पैरीचुआ क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए अलग-अलग स्थानों से चार युवकों को पूछताछ के लिए अपने साथ लिया। चारों युवकों से दैर शाम तक जनपद पंचायत परिसर स्थित बीआरसी भवन में पूछताछ जारी रही। कार्रवाई के दौरान पुलिस बल भी आयकर टीम के साथ मौजूद रहा। जानकारी के अनुसार, आयकर विभाग की टीम सुबह करीब 6 बजे कोतमा थाने पहुंची। इसके बाद पुलिस बल को साथ लेकर टीम ने क्षेत्र के अलग-अलग स्थानों पर दबिश दी। बताया जा रहा है कि टीम ने संबंधित युवकों को उनके घरों से उस समय अपने साथ लिया, जब वे सो रहे थे। अचानक हुई इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में हड़कंप की स्थिति बन गई और दिनभर आयकर विभाग की कार्रवाई चर्चा का विषय बनी रही। आयकर विभाग की टीम द्वारा

पूछताछ के लिए जिन युवकों को अपने साथ ले जाने की जानकारी सामने आई है, उनमें कोतमा निवासी रोहित सोनी, पैरीचुआ निवासी बृजेंद्र मिश्रा तथा गोहंड़ा निवासी संगत पांव और कोमल पांव शामिल बताए गए हैं। इन सभी को जनपद पंचायत परिसर स्थित बीआरसी भवन ले जाया गया, जहां आयकर अधिकारियों ने उनसे अलग-अलग बिंदुओं पर पूछताछ की। सूत्रों के अनुसार, पूछताछ के दौरान युवकों से उनकी संपत्ति, कारोबार से जुड़े संपर्कों, लेन-देन तथा संबंधित लोगों से उनके संबंधों के बारे में जानकारी ली गई। हालांकि, आयकर विभाग की ओर से इन बिंदुओं की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। पूछताछ के दौरान युवकों के बयानों की वीडियो रिकॉर्डिंग किए जाने की जानकारी भी सामने आई है।

सुबह से शाम तक चला पूछताछ का दौर

कार्रवाई के बाद चारों युवकों को बीआरसी भवन में रखा गया, जहां आयकर अधिकारियों ने कई घंटों तक उनसे पूछताछ की। सुबह से शुरू हुई पूछताछ दैर शाम तक जारी रही। युवकों के परिजन भी दिनभर जनपद पंचायत कार्यालय के बाहर मौजूद रहे और अधिकारियों से अपने परिजनों को जल्द छोड़ने की मांग करते रहे। रोहित सोनी के



पिता ने बताया कि आयकर अधिकारियों द्वारा उनके बेटे को पूछताछ के लिए साथ ले जाते समय करीब एक घंटे में वापस भेजने की बात कही गई थी। लेकिन कई घंटे बीत जाने के बाद भी रोहित को वापस

नहीं भेजा गया। उन्होंने कहा कि उनका बेटा मनीष गोयनका के यहां कुछ हजार रुपये की नौकरी करता है और उसे इस मामले से जोड़कर पूछताछ किए जाने को लेकर परिवार को आपत्ति है।

डीपीसी पर शिक्षक को बंधक बनाकर मारपीट और धमकी देने का आरोप, एफआईआर दर्ज

दस्तावेज और मोबाइल छीनकर शिकायत वापस लेने का बनाया दबाव

अनूपपुर। संयुक्त कलेक्ट्रेट भवन के कक्ष क्रमांक 80 में आयोजित बैठक के दौरान जिला परियोजना समन्वयक (डीपीसी) संजय कुमार मिश्रा पर एक प्राथमिक शिक्षक के साथ अभद्रता, मारपीट, दस्तावेज व मोबाइल छीनने तथा जान से मारने की धमकी देने के गंभीर आरोप लगे हैं। पीड़ित शिक्षक की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने डीपीसी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 127 (2), 296 (३), 115 (2) एवं 351 (2) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना 12 अगस्त की बताई जा रही है। शिकायतकर्ता इन्द्रसिंह राजपूत पिता प्रताप सिंह राजपूत प्राथमिक पाठशाला पालाडिगवार में शिक्षक के पद पर पदस्थ हैं और गाड़ासई, जिला डिंडौरी के निवासी हैं। शिक्षक ने ऑनलाइन/ई-एफआईआर के माध्यम से पुलिस को दी शिकायत में पूरे घटनाक्रम का उल्लेख किया है। शिकायत के अनुसार संयुक्त कलेक्ट्रेट भवन के कक्ष क्रमांक 80 में डीपीसी द्वारा उन शिक्षकों की बैठक बुलाई गई थी, जिन्होंने भवन निर्माण की शेष राशि के संबंध में शिकायत की थी। बैठक के



दौरान अन्य शिक्षकों को एक दिन का समय देकर वहां से जाने के लिए कह दिया गया। आरोप है कि जब इन्द्रसिंह राजपूत भी बाहर निकलने लगे तो डीपीसी ने उन्हें कमरे में रोक लिया और दरवाजा अंदर से बंद कर दिया। पीड़ित शिक्षक ने आरोप लगाया कि कमरे में रोकने के बाद डीपीसी ने उनके साथ अश्लील गाली-गलौज की और पीट पर घूंसा मारा। इसके बाद जूते से दो-चार लातें मारने का भी आरोप लगाया गया है। शिक्षक के मुताबिक इस दौरान उनके साथ मानसिक रूप से भी प्रताड़ना की गई तथा उन्हें डराया-धमकाया गया। शिकायत में शिक्षक ने बताया कि उनके पास मौजूद महत्वपूर्ण दस्तावेज, जिनमें पासबुक, लेजर, बिल-वाउचर, मांग पत्र की पावती और

पेपर कटिंग आदि शामिल थे, कथित तौर पर छीन लिए गए। इसके अलावा मोबाइल फोन भी अपने कब्जे में लेकर 181 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर फोन लगवाया गया। आरोप है कि दबाव बनाकर पूर्व में दर्ज शिकायत का निराकरण दर्ज करवाया गया। शिक्षक का आरोप है कि डीपीसी ने उन्हें सादा कागज दिया और दबावपूर्वक शिकायत वापस लेने का आवेदन लिखवाया। इसके बाद उक्त आवेदन संबंधित बाबू के पास जमा करवाने के लिए कहा गया। शिक्षक के अनुसार उन्हें करीब पौन घंटे तक कमरे में रोके रखा गया। इस दौरान मानसिक एवं शारीरिक रूप से प्रताड़ित करने के साथ जान से मारने की धमकी भी दी गई। घटना के बाद शिक्षक भयभीत होकर अपने घर पहुंचे और परिजनों तथा साथी शिक्षकों को पूरी घटना की जानकारी दी। शिकायत के अनुसार सीने में दर्द और मानसिक भय के कारण वे तत्काल पुलिस के पास नहीं जा सके। इसके बाद हिम्मत जुटाकर घटना के करीब छह दिन बाद कोतवाली अनूपपुर पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर डीपीसी संजय कुमार मिश्रा के खिलाफ संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

तीन माह बाद भी विद्यार्थियों को नहीं मिलीं पुस्तकें



मध्याह्न भोजन, शौचालय को लेकर भी ग्रामीणों में नाराजगी प्रभारी प्राचार्य पर लापरवाही के आरोप

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिले के विकासखंड अनूपपुर अंतर्गत ग्राम खोड़री-कुहका स्थित सांदीपनी विद्यालय में अव्यवस्थाओं को लेकर ग्रामीणों, अभिभावकों और विद्यार्थियों में नाराजगी सामने आई है। आरोप है कि नया शैक्षणिक सत्र शुरू हुए कई माह बीत जाने के बावजूद विद्यालय के विद्यार्थियों को अब तक पाठ्य पुस्तकें उपलब्ध नहीं कराई गई हैं। इसके साथ ही मध्याह्न भोजन, शौचालय और बारिश के दौरान विद्यालय परिसर में पानी भरने जैसी समस्याओं को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं।

स्थानीय ग्रामीणों और अभिभावकों का आरोप है कि विद्यालय की व्यवस्थाओं पर प्रभारी प्राचार्य द्वारा पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है। उनका कहना है कि विद्यालय में विद्यार्थियों की मूलभूत जरूरतों से जुड़ी

समस्याएं लंबे समय से बनी हुई हैं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा इनका प्रभावी निराकरण नहीं कराया गया। अभिभावकों का कहना है कि नया शैक्षणिक सत्र शुरू हुए लगभग तीन से चार माह का समय बीत चुका है, लेकिन विद्यालय के कई विद्यार्थियों को अभी तक शासकीय पाठ्य पुस्तकें नहीं मिली हैं। इससे विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित होने की बात कही जा रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि एक ओर शासन स्तर पर विद्यार्थियों को समय पर पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराने के दावे किए जाते हैं, वहीं दूसरी ओर खोड़री-कुहका के इस विद्यालय में बच्चे पुस्तकों के अभाव में पढ़ाई करने को मजबूर हैं।

मध्याह्न भोजन और शौचालय की व्यवस्था पर सवाल

विद्यालय में मध्याह्न भोजन व्यवस्था को लेकर भी ग्रामीणों ने गंभीर शिकायतें की हैं। आरोप है कि विद्यार्थियों को निर्धारित मेन्यू के अनुसार नियमित रूप से भोजन उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। वहीं विद्यालय के शौचालयों की स्थिति को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। ग्रामीणों के

अनुसार शौचालयों में पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने से विशेषकर छात्राओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के मौसम में विद्यालय परिसर और कक्षाओं में पानी भरने की शिकायत भी सामने आई है। इससे विद्यार्थियों को बैठने और पढ़ाई करने में परेशानी होने की बात कही गई है।

विद्यालय की व्यवस्थाओं और खर्च की जांच की मांग

स्थानीय लोगों ने विद्यालय में पिछले कुछ वर्षों के दौरान हुई खरीदी, निर्माण और अन्य कार्यों से संबंधित बिल-वाउचर तथा अभिलेखों की जांच कराने की मांग की है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि विद्यालय के विकास और रखरखाव के नाम पर प्राप्त राशि के उपयोग में अनियमितता की गई है और लाखों रुपये के कथित वित्तीय हेरफेर की भी जांच होनी चाहिए। हालांकि इन वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि निष्पक्ष जांच होने पर ही वास्तविक स्थिति सामने आ सकेगी।

जनविश्वास कार्यक्रम में पुस्तक वितरण के दावे पर उठे सवाल

हाल ही में जिले में आयोजित मुख्यमंत्री जनविश्वास कार्यक्रम के दौरान शिक्षा विभाग के अधिकारियों द्वारा जिले के विद्यालयों में विद्यार्थियों को पाठ्य पुस्तकें वितरित किए जाने की जानकारी दी गई थी। ग्रामीणों का कहना है कि यदि सभी विद्यालयों में शत-प्रतिशत पुस्तक वितरण हो चुका है तो सांदीपनी विद्यालय केलेख की विद्यार्थियों को अब



तक पुस्तकें क्यों नहीं मिलीं, इसकी जांच आवश्यक है। इस मामले को लेकर ग्रामीणों ने अधिकारियों से मौके पर पहुंचकर वास्तविक स्थिति की जांच करने की मांग की है।

शासन-प्रशासन को गुमराह करने का आरोप

ग्रामीणों का आरोप है कि विद्यालय की वास्तविक स्थिति और कागजी रिकॉर्ड में अंतर हो सकता है। उनका कहना है कि यदि विद्यालय से संबंधित अभिलेखों, छात्र संख्या, खरीदी, भुगतान, मध्याह्न भोजन तथा अन्य व्यवस्थाओं की भौतिक जांच की जाए तो स्थिति स्पष्ट हो सकती है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से विद्यालय का औचक निरीक्षण कराने, विद्यार्थियों से सीधे जानकारी लेने और पिछले दो वर्षों के वित्तीय एवं प्रशासनिक रिकॉर्ड की जांच कराने की मांग की है।

जिम्मेदारों के बयान

डीपीसी संजय मिश्रा ने कहा, जिले के सभी विद्यालयों में सभी कक्षाओं की पुस्तकें वितरित कर दी गई हैं। यदि स्थानीय खोड़री-कुहका के विद्यार्थियों को अब

जबलपुर के रास्ते कोतमा पहुंची आयकर टीम

जानकारी के अनुसार आयकर विभाग की टीम दो वाहनों से सड़क मार्ग के जरिए कोतमा पहुंची थी। टीम का नेतृत्व इनकम टैक्स कमिश्नर प्रणव अनंत कानितकर द्वारा किए जाने की जानकारी सामने आई है। टीम के कोतमा पहुंचने के बाद स्थानीय पुलिस से समन्वय किया गया और इसके बाद अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई शुरू की गई। कार्रवाई की गोपनीयता बनाए रखने के लिए टीम द्वारा किसी भी तरह की जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई। जिन स्थानों पर कार्रवाई की गई, वहां भी अधिकारियों ने स्थानीय लोगों और मीडिया से दूरी बनाए रखी।

पुलिस बल भी रहा मौजूद

आयकर विभाग की कार्रवाई के दौरान कोतमा पुलिस का बल टीम के साथ मौजूद रहा। पुलिस की मौजूदगी में अधिकारियों ने संबंधित स्थानों पर पहुंचकर पूछताछ और दस्तावेजों से संबंधित जानकारी जुटाई। हालांकि, कार्रवाई के दौरान क्या-क्या दस्तावेज या अन्य सामग्री मिली है, इसकी जानकारी फिलहाल सामने नहीं आई है। पूरी कार्रवाई को लेकर आयकर विभाग के अधिकारियों ने मौके पर मीडिया से किसी

प्रकार की विस्तृत जानकारी साझा नहीं की। अधिकारियों से कार्रवाई की वजह, पूछताछ के आधार और बरामदगी से संबंधित जानकारी लेने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने आधिकारिक तौर पर कोई प्रतिक्रिया देने से परहेज किया। वहीं, पुलिस अधिकारियों की ओर से भी कार्रवाई को लेकर विस्तृत जानकारी नहीं दी गई। इससे कार्रवाई को लेकर क्षेत्र में चर्चाओं का दौर चलता रहा।

बेनामी संपत्ति से जुड़े मामले में जांच तेज होने के संकेत

खनिज कारोबारी से कथित रूप से जुड़ी बेनामी संपत्तियों की जांच के बीच आयकर विभाग की इस कार्रवाई को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि चारों युवकों से पूछताछ का आधार क्या है और जांच में विभाग को अब तक क्या जानकारी मिली है। आयकर विभाग की आधिकारिक रिपोर्ट या बयान सामने आने के बाद ही कार्रवाई की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल आयकर टीम द्वारा चारों युवकों से पूछताछ जारी रहने के कारण उनके परिजन भी कार्यालय के बाहर डटे रहे। समाचार लिखे जाने तक न तो युवकों को छोड़े जाने की पुष्टि हुई थी और न ही आयकर विभाग की ओर से कार्रवाई के संबंध में कोई आधिकारिक विस्तृत बयान जारी किया गया था।

बारिश में बढहाल हुआ पटवारी भवन और जिला अभिलेख, लोक सेवा केंद्र का रास्ता

अनूपपुर। जिला मुख्यालय स्थित पुराने



तहसील भवन के पीछे पटवारी भवन एवं जिला अभिलेख लोक सेवा केंद्र तक पहुंचने वाला मार्ग बारिश के कारण इन दिनों बढहाल हो गया है। मार्ग पर जगह-जगह कीचड़ और पानी भर जाने से आम नागरिकों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आवश्यक शासकीय कार्यों के लिए यहां पहुंचने वाले लोगों को खराब रास्ते के कारण काफी दिक्कतें उठानी पड़ रही हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, इस मार्ग की समस्या नई नहीं है। लंबे समय से यहां

पक्की सड़क अथवा व्यवस्थित आवागमन की सुविधा का अभाव बना हुआ है। सामान्य दिनों में किसी तरह लोग इस रास्ते से आवागमन कर लेते हैं, लेकिन बारिश के मौसम में स्थिति बेहद खराब हो जाती है। पानी और कीचड़ के कारण पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है। पटवारी भवन और जिला अभिलेख लोक सेवा केंद्र में प्रतिक्रिया बड़ी संख्या में नागरिक अपने दस्तावेजों, अभिलेखों और अन्य आवश्यक कार्यों के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में खराब मार्ग के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। विशेष रूप से बुजुर्गों, महिलाओं और अन्य जरूरतमंद नागरिकों के लिए यह रास्ता बारिश में जोखिम भरा बना हुआ है। एडवोकेट जयंत राव ने जिला प्रशासन का ध्यान इस समस्या की ओर आकर्षित करते हुए मार्ग पर तत्काल इस्टे अथवा मुख्य डालकर उसे आवागमन योग्य बनाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि स्थानीय रूप से सड़क निर्माण की व्यवस्था होने तक कम से कम बारिश के मौसम में अस्थायी सुधार कार्य कराया जाना जरूरी है, ताकि नागरिकों को कीचड़ और जलमय राव के बीच आवागमन करने के लिए मजबूर न होना पड़े। उन्होंने जिला प्रशासन से मांग की है कि मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभाग को तत्काल निर्देश जारी किए जाएं और मार्ग का मरम्मत, समतलीकरण तथा जल निकासी की व्यवस्था कराई जाए। इससे जिला अभिलेख लोक सेवा केंद्र और पटवारी भवन तक पहुंचने वाले नागरिकों को बारिश के दौरान राहत मिल सकेगी।

न्यायालय व्यवहार न्यायाधीश वर्ग 01 कोतमा जिला अनूपपुर (म. प्र.)
उ. प्रकरण क्र. -16/2026 प्रोसेस क्र.-9/2026 तारीख पेसी-18.09.2026
श्रीमती चंदा पिता रघु, जगन्नाथगुण उम्र 26 वर्ष जति सारथी (नायक) निवासी वार्ड नं. 03 मार्टनस कालोनी बिजुरी, सिप्टी रोड, थाना बिजुरी, तहसील कोतमा, जिला अनूपपुर (म.प्र.)..... आवेदिका
बयान
1. श्रीमती कविता पिता अमर, पुत्री गृध्र, 2. श्रीमती सरस्वती पिता दुर्गा, पुत्री पुनल दोनों निवासी ब्यार नं. 955 वार्ड नं. 03 मार्टनस कालोनी बिजुरी, थाना बिजुरी, तहसील कोतमा, जिला अनूपपुर (म. प्र.). 3. उपस्थीय प्रबंधक (बिजुरी उपक्षेत्र, हसदेव क्षेत्र, थाना बिजुरी, जिला अनूपपुर (म. प्र.), 4. क्षेत्रीय आयुक्त कोतमा खान भविष्य निधि कार्यालय राकिमपुर, गुहेयवर जबलपुर (म. प्र.), 5. लेबर कमिश्नर गायत्री मंदिर के पास राहडौरी, थाना राहडौल (म.प्र.) 6. अन्य कोई जो संबंधित हो।.....आवेदकगण
कार्रवाई अतः
मास्तीय उत्तराधिकार अधिनियम 1925
इस्टाहद
सर्व साधारण को सुचित किया जाना है कि आवेदिका श्रीमती चंदा पिता रघु, जगन्नाथगुण उम्र 26 वर्ष जति सारथी (नायक) निवासी वार्ड नं. 03 मार्टनस कालोनी बिजुरी, सिप्टी रोड, थाना बिजुरी, तहसील कोतमा, जिला अनूपपुर (म.प्र.) द्वारा एक आवेदन पत्र अनर्गत धारा 372 भारतीय स.अ.वि. 1925 का प्रस्तुत किया गया है। आवेदिका द्वारा मीतमाल श्रीमती कविता पिता विद्याकर निवासी वार्ड नं. 03 मार्टनस कालोनी बिजुरी, थाना बिजुरी, जिला अनूपपुर (म.प्र.) जो एम.ई.सी.एल. हसदेव क्षेत्र के अनर्गत बिजुरी कालोनी के रिजलन वरक्षीप में जनरल मजदूर के पद पर कार्यरत थी जिसका लीज नंबर -24910254 है, के नाम से रेगुलरी की राशि 20,00,000/- बीस लाख रुपये, एग्रेसिव एवं बोनस की राशि 5,00,000/- पाँच लाख रुपये तथा क्षेत्रीय आयुक्त भविष्य निधि कार्यालय जबलपुर म. प्र. के सी. एम.पी.एम. खाता संख्या- जेसीपी/96/288 में जमा राशि लगभग 80,00,000/- अस्सी लाख रुपये कुल राशि 1,05,00,000/- एक करोड़ पाँच लाख रुपये एवं उस पर मिलने वाले लाभों का प्राप्त करने हेतु उत्तराधिकार प्रमाण पत्र प्राप्त करने बाबू आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है, यदि किसी उत्तर साधारण को उक्त प्रस्तुत आवेदन पत्र से किसी भी प्रकार की आपत्ति है तो वह स्वयं अथवा अपने अभिभावक के माध्यम से निवत वारीड दिनांक 18.09.2026 को समय प्रातः 11-00 बजे उपरिस्त होकर अपना एवर रसकाना है, न्याय जजने के बाद किसी भी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी।
अज दिनांक को मेरे पत्र मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी।
अर्चिदेव कुमार बरला व्यवहार न्यायाधीश वर्ग 01 कोतमा जिला अनूपपुर (म. प्र.)

